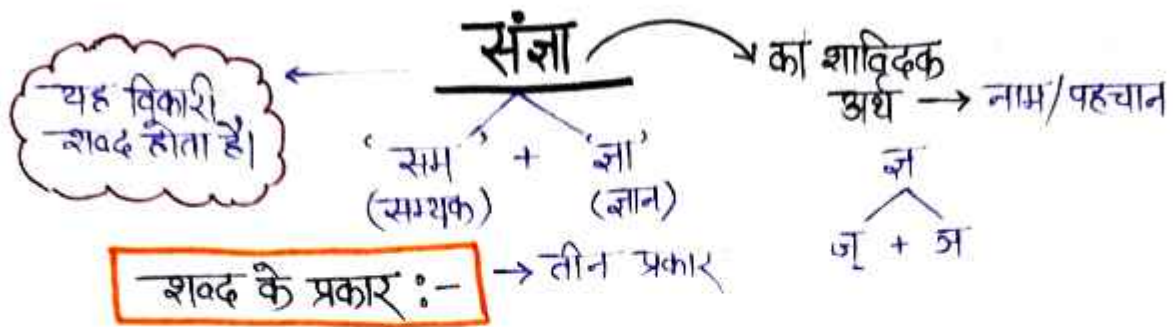


ROJGAR WITH ANKIT



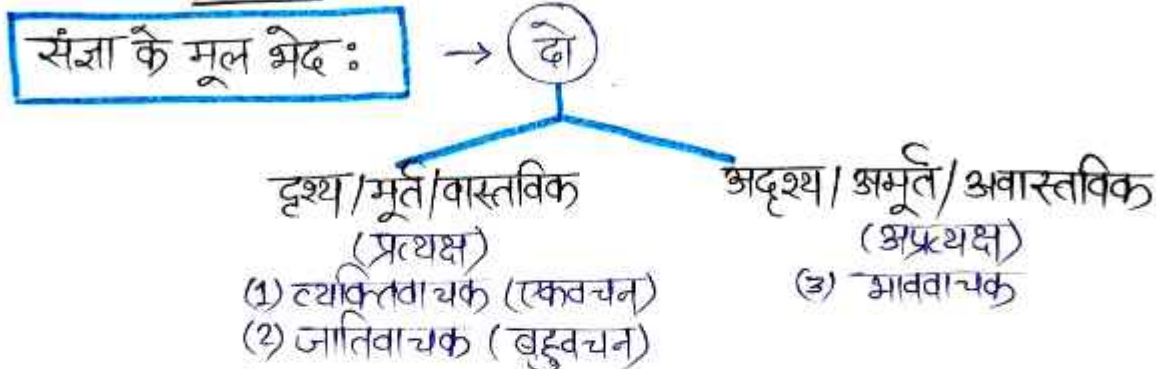
- रूढ़ (कभी न टूटने वाला)
- यौगिक शब्द → जो शब्दों के योग से बनते (राम, घर, गेहूँ)
पाठशाला, घुड़स्वार, विधालय
- योगरूढ़ शब्द → ये शब्द होते तो यौगिक ही हैं, लेकिन यह अर्थ किसी तीसरे देते हैं।

(गणेश) लंबोदर → लंबा + उदर

(शिव) नीलकण्ठ → नीला + कण्ठ

दशानन → (रावण)

परिभाषा: जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव का बोध कराते हैं, वे शब्द संज्ञा कहलाते हैं।
उदा. - राम, कलम, दिल्ली, प्रेम आदि।



* प्राचीन काल में संज्ञा के 5 भेद थे -

* आधुनिक काल में संज्ञा के 3 भेद हैं -

* हिंदी में संज्ञा के मुख्य भेद पाँच होते हैं -

- दृश्य
 - व्यक्तिवाचक (दुनिया में एक)
 - जातिवाचक (दुनिया में अनेक)
- अदृश्य
 - भाववाचक
 - प्रत्य/पदार्थवाचक
 - समूहवाचक

ROJGAR WITH ANKIT

- व्यक्तिवाचक संज्ञा : जिन शब्दों से विशेष व्यक्ति, वस्तु, स्थान का यत्ना चलता है, वे शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्द होते हैं।

↓
(यह संज्ञा हमेशा एकवचन होती है
→ दुनिया में एक होती है।)

उदा. - मोहन, दिल्ली, कात्या, रामायण, महाभारत, गीता, गौड़ान, कामायनी, गंगा, हिमालय, हिंद महासागर, जापान, क. बंगाल आदि।

Ques गंगा में कौन-सी संज्ञा है—

- (A) जाति
(B) व्यक्ति [✓]
(C) द्रव्यवाचक
(D) समूहवाचक

Ques नदी में संज्ञा बताओ— जातिवाचक

- (A) रीना (व्यक्तिवाचक)
(B) पहाड़ (जातिवाचक) [✓]
(C) राहुल (व्यक्तिवाचक)
(D) मध्य प्रदेश (व्यक्तिवाचक)

Ques निम्न में जातिवाचक संज्ञा कौन-सी है?